

Patient Information Sheet

भारतीय महिलाओं में सामान्य रूप से पाए जाने वाले कर्करोग के जल्द निदान (NIH-5ROICA074801-14) के संशोधन की सभी सहभागी महिलाओं के लिए..

इस संशोधन में आपके सहभाग के लिए धन्यवाद। आपका ये सहभाग आपकी तरह दूसरे महिलाओं में होने वाले स्तन व गर्भाशयमुख के कर्करोग नियंत्रण करने में उपयुक्त हो सकता है।

पूर्व दी गई जानकारी के अनुसार वैद्यकिय स्तन परिक्षण व गर्भाशयमुख के अल्ट्रासाउंड द्वारा किए गए परिक्षणानुसार स्तन व गर्भाशयमुख के कर्करोग का मृत्युदर कम कर सकते हैं। स्तन व गर्भाशयमुख कर्करोग की जाँच के लिए मॅमोग्राफी एवं पॅपस्मियर भी उपलब्ध है। अगर आपको इन पद्धतियों से जाँच करनी है, तो आप ये जाँच स्वतंत्र रूप और स्वखर्च से कर सकती हैं। इसके अधिक जानकारी और यह जाँच कहाँ उपलब्ध है यह आपको हमारी वैद्यकिय समाजसेविकाओं से बता सकती हैं।

हमें आपको यह जानकारी देते हुए अत्यंत आनंद हो रहा है की, इस संशोधन के हाल विश्लेषण से यह पता चला है की, अल्ट्रासाउंड द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण आधारित जाँच के निष्कर्षानुसार गर्भाशयमुख के कर्करोग से होने वाले मृत्युदर का प्रमाण कम होता है। इस के लिए नियंत्रण समूह की सभी महिलाओं को गर्भाशयमुख की अल्ट्रासाउंड की जाने वाली जाँच की सुविधा हम मुफ्त में देना चाहते हैं। इस संदर्भ की संपूर्ण जानकारी आपको हमारी प्रशिक्षित आरोग्यसेविकाओं द्वारा बतायी जायेगी।

यह संशोधन वैद्यकिय स्तन परिक्षण के संदर्भ में आगामी वर्षों के लिए (3 वर्ष) या स्तन कर्करोग के मृत्युदर का प्रमाण कम होने तक (दोनों में से जो पहले संपन्न होगा) चलता रहेगा।

मुख्य अन्वेषक

डॉ. एस्. एस्. शास्त्री

To all participants of the "Early Detection of Common Cancers in Women in India"

(NIH -5RO1CA074801-14) Trial

Thank you for participating in this study. Your participation is likely to help other women like you in the control of breast and cervix cancer.

As informed earlier we would like to reinforce, we are testing the efficacy of clinical breast examination and Visual Inspection with Acetic Acid (VIA) in reducing breast and cervix cancer mortality. Other methods for breast and cervix cancer screening are Mammography and Pap smear. If you choose to be screened by other methods you are free to do so, on your own at your own cost. In which case our Medical Social Worker will provide you the address of the nearest health centre which performs Mammography and Pap smear.

We are very pleased to inform you that the recent analysis of the data from this trial shows that VIA based screening results in mortality reduction from cervix cancer. We would therefore like to offer VIA screening at no cost to all women from the control group. You will be provided with details of screening clinic by our Health Worker.

The study will continue with reference to clinical breast examination for remaining period (3years) or till there is evidence of mortality reduction from breast cancer, whichever is earlier.

Thank you again for your participation in this study.

Principle Investigator

Dr. S.S Shastri

भारतातील स्त्रियांमध्ये सर्वसाधारणपणे आढळणाऱ्या कर्करोगाचे लवकर निदान (NIH-5RO1CA074801-14) संशोधनातील सर्व सहभागी स्त्रियांसाठी..

हया संशोधनातील तुमच्या सहभागाबद्दल धन्यवाद, तुमचा सहभाग हा तुमच्या सारख्याच इतर स्त्रियांना स्तन व गर्भाशयमुखाचे कर्करोग नियंत्रण करण्यासाठी मदत करू शकतो.

पूर्वी सांगितल्याप्रमाणे वैद्यकिय स्तनपरिक्षण व गर्भाशयमुखाचे ॲसिटिक ॲसिडद्वारे केलेल्या परिक्षणामूळे स्तन व गर्भाशयमुख कर्करोगांच्या मृत्युदराचे प्रमाण कमी करता येते. स्तन व गर्भाशयमुख कर्करोग तपासणीसाठी मॅमोग्राफी व पॅप स्मिअर या इतर पद्धतीही उपलब्ध आहेत. जर या इतर पद्धतीने तुम्हाला तपासणी करून घ्यायची असेल तर तुम्ही स्वतंत्रपणे व स्वखर्चाने करू शकता. अधिक माहिती व तपासण्या जिथे उपलब्ध आहेत या संदर्भात आमच्या वैद्यकिय समाजसेविका सांगू शकतील.

आम्हांला कळविण्यात अत्यंत आनंद होत आहे की, या संशोधनामध्ये आता पर्यंतच्या आकडेवारीच्या तपासणीमध्ये असे लक्षात येते की, ॲसिटिक ॲसिडद्वारे केलेल्या निरीक्षण आधारित तपासणीच्या निष्कर्षानुसार गर्भाशयमुख कर्करोगामुळे होणाऱ्या मृत्युदराचे प्रमाण कमी होते. म्हणून आम्ही नियंत्रित गटातील सर्व स्त्रियांना गर्भाशयमुखाची ॲसिटिक ॲसिडद्वारा होणाऱ्या तपासणीची सुविधा मोफत देवू इच्छितो. या संदर्भातील संपूर्ण माहिती आमच्या प्रशिक्षित आरोग्यसेविकां मार्फत तुम्हांला देण्यात येईल.

हे संशोधन वैद्यकिय स्तन परिक्षणाच्या संदर्भात उर्वरित काळाकरिता (३ वर्षे) किंवा स्तनकर्करोग मृत्युदराचे प्रमाण कमी होईपर्यंत (दोन्ही पैकी जे प्रथम संपन्न होईल तो पर्यंत) चालू राहील.

हया संशोधनातील तुमच्या सहभागबद्दल पुन्हा एकदा धन्यवाद!

मुख्य अन्वेषक


डॉ. एस्. एस्. शास्त्री